an>

Title: Regarding drinking water scheme for the people of Lalganj-Azamgarh in Uttar Pradesh.

*m01

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। मैं अति लोक महत्व का विÂाय शून्यकाल में उठाना चाहती हूं। आज मेरे संसदीय क्षेत्र लालगंज-आजमगढ़ सहित पूरे पूर्वांचल में पेयजल की कमी का संकट मंडरा रहा है। कहीं यह गिरते भूजल स्तर के रूप मे हैं तो कहीं सूखते सिमटते तालाब के रूप में है। लालगंज-आजमगढ़ में भूजल संरक्षण के प्रमुख स्रोत नदी, ताल, तलैया और तालाबों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के कारण उनके अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है। कहते हैं कि जल ही जीवन है, मनुÂय बिना जल के तीन दिन भी जिंदा नहीं रह सकता, वहीं दूÂिात पेयजल के कारण लोग विशेÂाकर बच्चे जानलेवा बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। यह प्रमाणित है कि दुनिया में लगभग 80 प्रतिशत बीमारियों में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से दूÂिात पेयजल ही कारण होता है। बड़ी संख्या में बच्चों की मृत्यू अतिसार, पीलिया, पोलियो एवं मस्तिÂक ज्वर (इंसेफलाइटिस) के कारण होती है, जो दूÂिात पेयजल के कारण होती है।

मैं बड़ी विनम्रता और आत्मिक वेदना के साथ अपने संसदीय क्षेत्र लालगंज-आजमगढ़, उत्तर प्रदेश में शुद्ध पेयजल की समस्या से सदन को अवगत कराना चाहती हूं। आज वÂाान ऋतु के बावजूद भी जलस्तर की गिरावट में कोई सुधार नहीं है। यहां कुछ इलाके तो ऐसे हैं जहां जल स्तर 200 फीट तक नीचे चला गया है और तालाब हैंडपम्प पानी नहीं दे रहा है। अल्प वृÂिट के कारण कुंए, तालाब सूखे पड़े हैं और लोगों को शुद्ध पेयजल की गंभीर समस्या से जूझना पड़ रहा है। ऐसे में मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करती हूं कि लालगंज-आजमगढ़ सहित उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में विशेÂा पेयजल योजना लागू की जाए, जिससे सामान्य जन-जीवन को बचाया जा सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : *m02 श्री दहन मिश्रा को श्रीमती नीलम सोनकर द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।